ALL INDIA MOTOR TRANSPORT CONGRESS
THE APEX ORGANISATION OF MOTOR TRANSPORT OPERATORS AFFILIATING STATE/REGIONAL ASSOCIATIONS
Official Journal "motor transport"
Established 1936

पत्र क्रमांक 040/1/AIMTC/जुलाई/2026 दिनांक 07.08.2026

सेवा में,

माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी
प्रधानमंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली।

माननीय श्री नितिन गडकरी जी
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली।

माननीय श्री हरदीप सिंह पुरी जी
केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली।

विषयः— कच्चे तेल के दामों में भारी गिरावट के बावजूद डीजल की कीमतों में राहत न मिलने, ट्रांसपोर्ट उद्योग, किसानों एवं आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ को देखते हुए डीजल मूल्य में तत्काल कमी, टोल टैक्स में राहत एवं विशेष आर्थिक पैकेज प्रदान किए जाने बाबत।

महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले ट्रांसपोर्ट उद्योग, किसान एवं आम नागरिक आज लगातार बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। दिनांक 08 जुलाई 2026 के प्रमुख समाचार पत्र में प्रकाशित खबर **("तेल कंपनियां अब ₹11 प्रति लीटर कमा रही हैं, पर आम लोगों को राहत नहीं")** ने एक गंभीर तथ्य उजागर किया है। समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के अनुसार अंतर्राट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें लगभग **157 डॉलर प्रति बैरल** के **उच्चतम स्तर से घटकर 68.69 डॉलर प्रति बैरल** रह गई हैं, अर्थात लगभग **56 प्रतिशत की कमी** आ चुकी है। इसके बावजूद देश में डीजल की कीमतों में अपेक्षित कमी नहीं की गई है, जबकि तेल कंपनियां डीजल पर लगभग **₹11 प्रति लीटर** का मार्जिन अर्जित कर रही हैं।

इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव देश के ट्रांसपोर्ट उद्योग, किसानों और आम जनता पर पड़ रहा है। वर्तमान में प्रमुख समस्याएँ हैः—

- **छोटे ट्रांसपोर्टरों पर आर्थिक संकटः—** देश के लगभग 80 से 85 प्रतिशत कमर्शियल वाहन मालिक ऐसे हैं जिनके पास केवल 1 से 10 वाहन हैं। लगातार बढ़ती लागत, कम मालभाड़ा और व्यापार में मंदी के कारण वे आर्थिक रूप से टूट चुके हैं।
- **बैंक ऋण एवं एन.पी.ए. की समस्याः—** वाहनों की किस्तें समय पर जमा नहीं हो पा रही हैं। बड़ी संख्या में वाहन मालिकों के ऋण खाते एन.पी.ए. बनने की स्थिति में हैं, जिससे उनका रोजगार और भविष्य दोनों संकट में हैं।
- **बढ़ती परिचालन लागतः—** डीजल के साथ—साथ टायर, स्पेयर पार्ट्स, लुब्रिकेंट्स, इंजन ऑयल, बीमा, टोल टैक्स तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय घाटे में चल रहा है।

**निर.....**



1/16A, Asaf Ali Road, New Delhi-110002 # 011-23232617, telefax : 011-23230864,
Website : www.aimtc.org, Email : aimtc@rediffmail.com, aimtc1936@gmail.com
CIN : U34100DL1951NPL002000

- **किसानों पर बढ़ता आर्थिक बोझः–** आज देश में अधिकांश कृषि कार्य ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, पंपसेट एवं अन्य कृषि उपकरणों के माध्यम से होते हैं, जिनका मुख्य ईंधन डीजल है। डीजल की ऊंची कीमतों के कारण किसानों की खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि कृषि उपज का उचित लाभ नहीं मिल रहा। परिणामस्वरूप किसानों की लागत बढ़ रही है और बचत लगातार कम होती जा रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो रही है।
- **आम जनता पर महंगाई की मारः–** डीजल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर खाद्यान्न, फल–सब्जियां, दूध, दवाइयों, निर्माण सामग्री एवं दैनिक उपयोग की सभी वस्तुओं पर पड़ता है। इसका भार अंततः आम नागरिक को उठाना पड़ता है। साथ ही, विगत वर्ष सरकार द्वारा जीएसटी की कुछ दरों में कमी कर जो राहत प्रदान की गई थी, वह अब पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। वर्तमान में अधिकांश वस्तुओं के बाजार भाव पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हो चुके हैं। टायर, ऑटो पार्ट्स, मशीनरी, वाहन रखरखाव सामग्री सहित लगभग सभी आवश्यक वस्तुएँ महंगी हो गई हैं। ऐसे में महंगाई का बोझ ट्रांसपोर्टरों, किसानों और आम जनता पर कई गुना बढ़ गया है।

**हमारी मांगेंः–**

1. अंतर्राट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट के अनुरूप डीजल के दामों में तत्काल पर्याप्त कमी की जाए।
2. तेल कंपनियों के अतिरिक्त लाभ का उचित हिस्सा देश के ट्रांसपोर्टरों, किसानों एवं आम नागरिकों को राहत के रूप में दिया जाए।
3. आर्थिक संकट से जूझ रहे कमर्शियल वाहन मालिकों के लिए विशेष आर्थिक पैकेज, लोन रीस्ट्रक्चरिंग तथा ब्याज में राहत प्रदान की जाए।
4. देशभर के राष्ट्रीय एवं राज्य टोल प्लाजा पर कम से कम 3 माह के लिए टोल टैक्स वसूली स्थगित (बंद) कर ट्रांसपोर्ट उद्योग को तत्काल राहत प्रदान की जाए। इससे डूबते हुए ट्रांसपोर्ट व्यापार को संबल मिलेगा, वाहन मालिकों को आर्थिक राहत मिलेगी तथा सप्लाई चेन भी मजबूत बनी रहेगी।
5. ट्रांसपोर्ट संगठनों, किसान संगठनों एवं संबंधित हितधारकों के साथ प्रदेश में जिलों मे बैठक कर देश मै व्यापारी, किसान, आम जनता के हालात जान कर स्थायी समाधान हेतु ठोस नीति बनाई जाए।

महोदय, देश का ट्रांसपोर्ट उद्योग और किसान दोनों ही भारत की अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं। यदि इन्हें समय पर राहत नहीं मिली तो इसका सीधा प्रभाव उद्योग, कृषि, व्यापार, महंगाई और देश की संपूर्ण आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ेगा।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि उपरोक्त तथ्यों एवं समाचार पत्र में प्रकाशित आंकड़ों का संज्ञान लेते हुए डीजल की कीमतों में तत्काल कमी, तीन माह के लिए टोल टैक्स में राहत तथा ट्रांसपोर्ट एवं कृषि क्षेत्र के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा करने की कृपा करें, जिससे करोड़ों ट्रांसपोर्टरों, किसानों एवं आम नागरिकों को राहत मिल सके।

सधन्यवाद

सी. एल. मुकाती
चेयरमैन, आरटीओ एवं ट्रैफिक कमेटी
ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस, नई दिल्ली
पूर्व अध्यक्ष
इंदौर ट्रक ऑपरेटर्स एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, इंदौर

डॉ. हरीश सबरवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष
ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस, नई दिल्ली



1/16A, Asaf Ali Road, New Delhi-110002 # 011-23232617, telefax : 011-23230864,
Website : www.aimtc.org, Email : aimtc@rediffmail.com, aimtc1936@gmail.com
CIN : U34100DL1951NPL002000